राजस्थान पत्रिका
SATURDAY 18.11.17

ANCHOR

दो दिवसीय 22वीं कॉन्फ्रेंस का आयोजन

'हैल्थ केयर इकोसिस्टम बनाने की जरूरत

सांगानेर पत्रिका
www.patrika.com

सांगानेर। आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय 22वीं एनुअल कॉन्फ्रेंस 'प्रदन्या' के दौरान सस्टेनेबल डिजाइन एंड हैल्थ केयर, जीवनशैली और व्यवहारिक बदलावों के कारण बढ़ रही बीमारियों पर चर्चा की गई। इस मौके पर कोकिलाबेन हॉस्पिटल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. राम नारायण ने कहा कि वर्तमान समय में हैल्थ केयर इकोसिस्टम बनाने की आवश्यकता है, जहां आइडियाज को स्थायी रूप से क्रियान्वित कर कार्य किया जा सके।

उन्होंने कहा कि हैल्थकेयर क्षेत्र का प्रमुख मकसद एक ऐसा सिस्टम तैयार करना है जो लोगों के लिए किफायती हो। भारत में हैल्थकेयर मंहगा हो गया है। जीडीपी का 17.3 प्रतिशत हैल्थकेयर पर खर्च हो रहा है। हैल्थकेयर सिस्टम को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इसमें धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशासन, भर्ती करने की परिवर्तित नीतियों के माध्यम से चिकित्सा चुनौतियों का प्रबंधन करना बेहद जरूरी हो गया है।

परिवर्तन की गति इतनी अधिक हो गई है कि हमारे विकल्प या तो अपनाने योग्य हो सकते है या नही। संस्थाओं को प्रभावी, उचित समय पर और सुरक्षित चिकित्सा सेवा देने पर ध्यान देना चाहिए। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के चेयरमेन, डॉ एस. डी. गुप्ता ने कहा कि देश के विकास के लिए लोगों का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। लाइफ एक्सपेक्टेंसी के बारे बताया कि 1950 में 32 वर्ष से वर्तमान में 67 वर्ष होकर रह गई है। पारम्परिक हैल्थकेयर की जगह प्रबंधित हैल्थकेयर पर जोर देने की आवश्यकता है। यही कारण है कि वर्ष 2030 में कुल बीमारियों में नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीजेज का दायरा 75 प्रतिशत तक हो जाएगा। लोगों की जीवनशैली और व्यवहारिक बदलावों के कारण नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीजेज तेजी से बढ़ रही है। हैल्थकेयर में सस्टेनेबल डवलपमेंट के महत्वपूर्ण मापदंडों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण, सामाजिक व अर्थिक स्थितियां इसके मापदंड है। इन मापदंडों का आधार ही स्वास्थ्य है। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रो. प्रेसीडेंट पी. आर सोदाणी ने सम्बोधन में कहा कि हमारे जीवन में बदलाव लाने के लिए हैल्थकेयर सिस्टम का स्मार्ट व इनोवेटिव डवलपमेंट होना बेहद जरूरी है। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की आयोजन समिति के सदस्य संदेश कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।